स्वर्णिम हिन्दुस्तान
SWARNIM HINDUSTAN

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वे कैंप का आयोजन

चित्तौड़गढ़।
(अमित कुमार चेचानी)
(स्वर्णिम हिन्दुस्तान)

मेवाड़ विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वेक्षण शिविर चित्तौड़गढ़ एवं बस्सी क्षेत्र के पास आयोजित किया गया। सर्वेक्षण शिविर में बीटेक एवं डिप्लोमा के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने सर्वेक्षक के अभ्यास और उनके उपकरणों का उपयोग करके सर्वेक्षण शिविर में काम किया। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए सर्वेक्षण शिविर का उद्देश्य सिविल इंजीनियरिंग में उनके वास्तविक कार्य अभ्यास के लिए प्रासंगिक विभिन्न सर्वेक्षण तकनीकी के आवश्यक ज्ञान के लिए बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कुलसचिव प्रोफेसर आर राजा ने शिविर का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व और टीमवर्क कौशल को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करना होता है। सर्वेक्षण कैंप सिविल विभाग के प्रो शशिवेंद्र दुलावत, प्रो अंशल कुमार, प्रो हिमांशु कुमार साध्या एवं प्रो अभिषेक उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें उन्होंने छात्रों को समुचित खेती वाले क्षेत्र, वन क्षेत्र एवं सभी स्थलाकृतिक विवरणों के साथ पहाड़ी विशेषताओं को भी दिखाया गया था। इस कैंप के दौरान छात्रों ने अलग-अलग तरीकों से टोटल स्टेशन, डिजिटल थियोडोलाइट, प्लेन टेबल सर्वे, ऑटो लेवल एवं डंपी लेवल द्वारा मापन और रिसिप्रोकेटिंग सर्वे भी किया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी डॉ. ईसार अहमद ने कहा कि पाठ्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के साथ सर्वेक्षण शिविर में वास्तविक कार्यों की बेहतर समझ एवं साइट के काम की समझ सर्वेक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य होता है। सर्वेक्षण शिविर के आयोजन में डीन एकेडमिक प्रो डीके शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ति शास्त्री एवं डिप्टी डीन इंजीनियरिंग प्रो कपिल नाहर, का विशेष सहयोग रहा।

दैनिक
न्यूज ज्योति

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वे कैंप का आयोजन

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वेक्षण शिविर चित्तौड़गढ़ एवं बस्सी क्षेत्र के पास आयोजित किया गया। सर्वेक्षण शिविर में बीटेक एवं डिप्लोमा के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने सर्वेक्षक के अभ्यास और उनके उपकरणों का उपयोग करके सर्वेक्षण शिविर में काम किया। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए सर्वेक्षण शिविर का उद्देश्य सिविल इंजीनियरिंग में उनके वास्तविक कार्य अभ्यास के लिए प्रासंगिक विभिन्न सर्वेक्षण तकनीकी के आवश्यक ज्ञान के लिए बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कुलसचिव प्रोफेसर आर राजा ने शिविर का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व और टीमवर्क कौशल को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करना होता है। सर्वेक्षण कैंप सिविल विभाग के प्रो शशिवेंद्र दुलावत, प्रो अंशल कुमार, प्रो हिमांशु कुमार साध्या एवं प्रो अभिषेक उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें उन्होंने छात्रों को समुचित खेती वाले क्षेत्र, वन क्षेत्र एवं सभी स्थलाकृतिक विवरणों के साथ पहाड़ी विशेषताओं को भी दिखाया गया था। इस कैंप के दौरान छात्रों ने अलग-अलग तरीकों से टोटल स्टेशन, डिजिटल थियोडोलाइट, प्लेन टेबल सर्वे, ऑटो लेवल एवं डंपी लेवल द्वारा मापन और रिसिप्रोकेटिंग सर्वे भी किया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी डॉ डॉ ईसार अहमद ने कहा कि पाठ्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के साथ सर्वेक्षण शिविर में वास्तविक कार्यों की बेहतर समझ एवं साइट के काम की समझ सर्वेक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य होता है। सर्वेक्षण शिविर के आयोजन में डीन एकेडमिक प्रो डीके शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ति शास्त्री एवं डिप्टी डीन इंजीनियरिंग प्रो कपिल नाहर, का विशेष सहयोग रहा।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वे कैंप का आयोजन

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्व विद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वेक्षण शिविर चित्तौड़गढ़ एवं बस्सी क्षेत्र के पास आयोजित किया गया। सर्वेक्षण शिविर में बीटेक एवं डिप्लोमा के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने सर्वेक्षक के अभ्यास और उनके उपकरणों का उपयोग करके सर्वेक्षण शिविर में काम किया। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए सर्वेक्षण शिविर का उद्देश्य सिविल इंजीनियरिंग में उनके वास्तविक कार्य अभ्यास के लिए प्रासंगिक विभिन्न सर्वेक्षण तकनीकी के आवश्यक ज्ञान के लिए बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कुलसचिव प्रोफेसर आर राजा ने शिविर का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व और टीमवर्क कौशल को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करना होता है। सर्वेक्षण कैंप सिविल विभाग के प्रो शशिवेंद्र दुलावत, प्रो अंशल कुमार, प्रो हिमांशु कुमार साध्या एवं प्रो अभिषेक उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें उन्होंने छात्रों को समुचित खेती वाले क्षेत्र, वन क्षेत्र एवं सभी स्थलाकृतिक विवरणों के साथ पहाड़ी विशेषताओं को भी दिखाया गया था। इस कैंप के दौरान छात्रों ने अलग-अलग तरीकों से टोटल स्टेशन, डिजिटल थियोडोलाइट, प्लेन टेबल सर्वे, ऑटो लेवल एवं डंपी लेवल द्वारा मापन और रिसिप्रोकेटिंग सर्वे भी किया।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी डॉ डॉ ईसार अहमद ने कहा कि पाठ्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के साथ सर्वेक्षण शिविर में वास्तविक कार्यों की बेहतर समझ एवं साइट के काम की समझ सर्वेक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य होता है। सर्वेक्षण शिविर के आयोजन में डीन एकेडमिक प्रो डीके शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ति शास्त्री एवं डिप्टी डीन इंजीनियरिंग प्रो कपिल नाहर, का विशेष सहयोग रहा।

बधाई दी।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वे कैंप का आयोजन

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वेक्षण शिविर चित्तौड़गढ़ एवं बस्सी क्षेत्र के पास आयोजित किया गया। सर्वेक्षण शिविर में बीटेक एवं डिप्लोमा के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने सर्वेक्षक के अभ्यास और उनके उपकरणों का उपयोग करके सर्वेक्षण शिविर में काम किया। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए सर्वेक्षण शिविर का उद्देश्य सिविल इंजीनियरिंग में उनके वास्तविक कार्य अभ्यास के लिए प्रासंगिक विभिन्न सर्वेक्षण तकनीकी के आवश्यक ज्ञान के लिए बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कुलसचिव प्रोफेसर आर राजा ने शिविर का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व और टीमवर्क कौशल को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करना होता है। सर्वेक्षण कैंप सिविल विभाग के प्रो शशिवेंद्र दुलावत, प्रो अंशल कुमार, प्रो हिमांशु कुमार साध्या एवं प्रो अभिषेक उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें उन्होंने छात्रों को समुचित खेती वाले क्षेत्र, वन क्षेत्र एवं सभी स्थलाकृतिक विवरणों के साथ पहाड़ी विशेषताओं को भी दिखाया गया था। इस कैंप के दौरान छात्रों ने अलग-अलग तरीकों से टोटल स्टेशन, डिजिटल थियोडोलाइट, प्लेन टेबल सर्वे, ऑटो लेवल एवं डंपी लेवल द्वारा मापन और रिसिप्रोकेटिंग सर्वे भी किया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी डॉ डॉ ईसार अहमद ने कहा कि पाठ्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के साथ सर्वेक्षण शिविर में वास्तविक कार्यों की बेहतर समझ एवं साइट के काम की समझ सर्वेक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य होता है। सर्वेक्षण शिविर के आयोजन में डीन एकेडमिक प्रो डीके शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ति शास्त्री एवं डिप्टी डीन इंजीनियरिंग प्रो कपिल नाहर, का विशेष सहयोग रहा।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वे कैंप का आयोजन

टू इंडिया न्यूज

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तीन दिवसीय सर्वेक्षण शिविर चित्तौड़गढ़ एवं बस्सी क्षेत्र के पास आयोजित किया गया। सर्वेक्षण शिविर में बीटेक एवं डिप्लोमा के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने सर्वेक्षक के अभ्यास और उनके उपकरणों का उपयोग करके सर्वेक्षण शिविर में काम किया। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए सर्वेक्षण शिविर का उद्देश्य सिविल इंजीनियरिंग में उनके वास्तविक कार्य अभ्यास के लिए प्रासंगिक विभिन्न सर्वेक्षण तकनीकी के आवश्यक ज्ञान के लिए बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कुलसचिव प्रोफेसर आर राजा ने शिविर का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व और टीमवर्क कौशल को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करना होता है। सर्वेक्षण कैंप सिविल विभाग के प्रो शशिवेंद्र दुलावत, प्रो अंशल कुमार, प्रो हिमांशु कुमार साध्या एवं प्रो अभिषेक उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें उन्होंने छात्रों को समुचित खेती वाले क्षेत्र, वन क्षेत्र एवं सभी स्थलाकृतिक विवरणों के साथ पहाड़ी विशेषताओं को भी दिखाया गया था। इस कैंप के दौरान छात्रों ने अलग-अलग तरीकों से टोटल स्टेशन, डिजिटल थियोडोलाइट, प्लेन टेबल सर्वे, ऑटो लेवल एवं डंपी लेवल द्वारा मापन और रिसिप्रोकेटिंग सर्वे भी किया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी डॉ डॉ ईसार अहमद ने कहा कि पाठ्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के साथ सर्वेक्षण शिविर में वास्तविक कार्यों की बेहतर समझ एवं साइट के काम की समझ सर्वेक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य होता है। सर्वेक्षण शिविर के आयोजन में डीन एकेडमिक प्रो डीके शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ति शास्त्री एवं डिप्टी डीन इंजीनियरिंग प्रो कपिल नाहर, का विशेष सहयोग रहा।